पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

———

राज्यपाल ने डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के नैक हेतु तैयारियों की समीक्षा की

———

आंगनवाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों के लिए विश्वविद्यालय में एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज का आयोजन करें

———

सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण हों

———

छात्रों के लिए प्रशासनिक तथा नामांकन प्रक्रियाओं को सरल और स्पष्ट बनायें

———

युवा पीढ़ी को माता–पिता और बुजुर्गों के प्रति अधिक संवेदनशील बनायें

———

अच्छे विचार सभी दिशाओं से आने के लिए विश्वविद्यालय के द्वार हमेशा खुले होने चाहिए

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———

लखनऊः 01 जुलाई, 2024

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन के प्रज्ञाकक्ष में डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के नैक हेतु तैयार एस.एस.आर. रिपोर्ट की समीक्षा बैठक की, जिसमें नैक के सभी क्राइटेरिया, शिक्षण–प्रशिक्षण प्रकिया, अनुसंधान, नवाचार, बुनियादी ढाचे, छात्र समर्थन और सामुदायिक सेवा आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में राज्यपाल जी ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए नई और अभिनव शैक्षणिक गतिविधियों को अपनाने तथा अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने का निर्देश दिया। विश्वविद्यालय के बुनियादी

ढाचे को और अधिक सुदृढ़ और सुविधाजनक बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा कराये जाने चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय को स्वयं प्रयास करना चाहिए, जनता का पैसा बर्बाद नहीं होना चाहिए।

राज्यपाल जी ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए विश्वविद्यालय को अपने संसाधनों का उपयोग कर आंगनवाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों के लिए विश्वविद्यालय के भवन में एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज का आयोजन करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इससे उनकी रचनात्मकता में वृद्धि और कौशल में सुधार होगा। इसके साथ ही राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय को छात्रों के लिए प्रशासनिक तथा नामांकन प्रक्रियाओं को सरल और स्पष्ट बनाने का निर्देश दिया।

युवा पीढ़ी को अपने माता–पिता और बुजुर्गों के प्रति अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार बनाने के लिए राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय अपने छात्रों को इसके लिए तैयार करें। छात्रों को वृद्धाश्रम का भ्रमण करायें। जब छात्र देखेंगे कि कैसे कुछ लोग अपने माता–पिता को असहाय स्थिति में अकेला छोड़ देते हैं तो उनके अंदर संस्कार तथा सेवा का भाव जाग्रत होगा। अच्छे विचार सभी दिशाओं से आने के लिए विश्वविद्यालय के द्वार हमेशा खुले होने चाहिए, जिसका मुख्य उद्देश्य ज्ञान का प्रसार, और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल. जानी, विश्वविद्यालय की नैक टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

————————

डॉ0 संगीता चौधरी–राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 9161668080

राजभवन उत्तर प्रदेश

राजभवन उत्तर प्रदेश